RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 18 MAY 2022 TO 24 MAY 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 36 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

IOC: ये PSU स्टॉक दे सकता है 32% रिटर्न Page 2

डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे मजबूत खुला Page 3

भारत के डेयरी क्षेत्र को ऐसे मिलेगी दुनिया में पहचान, क्या हो रहा है जानें Page 7

editoria!

स्वच्छ ऊर्जा आवश्यक

जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान के कारण वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक आपदाओं की संख्या बढ़ती जा रही है. इससे मौसम का स्वरूप भी बदल रहा है. अभी हमारे देश के उत्तर, पूर्व एवं पश्चिम के कई क्षेत्र भीषण गर्मी की चपेट में हैं. वनों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं और असमय बारिश औचक बाढ़ का कारण बन रही है. कई अध्ययन इंगित कर चुके हैं कि देश का बड़ा हिस्सा प्रदूषण से प्रभावित है. ऐसे में कार्बन उत्सर्जन को रोकने के अलावा कोई विकल्प नहीं है. इसके लिए स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाना होगा. विडंबना यह है कि गर्मी बढ़ने पर या ठंड अधिक होने पर बिजली की मांग बढ़ जाती है, जिसका उत्पादन मुख्य रूप से कोयले से चलनेवाले संयंत्रों में होता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन अधिक होता है. इसी तरह हम वाहनों के लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर हैं. बीते कुछ वर्षों से भारत सरकार स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन पर ध्यान दे रही है. इस वर्ष मार्च तक हरित ऊर्जा का उत्पादन लगभग 110 गीगावाट तक पहुंच गया है. कुछ वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थापना की थी, जिसमें अब सौ से अधिक देश शामिल हो चुके हैं. हालांकि भारत को अपने विकास के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता है तथा जीवाश्म ईंधनों पर वर्तमान निर्भरता को अचानक रोक पाना संभव नहीं है, फिर भी भारत जलवायु संकट के समाधान के लिए हो रहे वैश्विक प्रयासों के साथ कदम मिलाकर चल रहा है. ग्लासगो में हुए विश्व जलवायु सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की थी कि 2070 तक भारत का कार्बन उत्सर्जन शून्य हो जायेगा यानी तब तक भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को स्वच्छ ऊर्जा से पूरी कर लेगा. इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयत्न हो रहे हैं. ऊर्जा से संबंधित 122 अरब डॉलर के आवंटन में से 35 अरब डॉलर स्वच्छ ऊर्जा के लिए निर्धारित किये गये हैं. सौर ऊर्जा के साथ पवनचक्कियों को लगाने, हरित हाइड्रोजन उत्पादित करने तथा बैटरी चालित वाहनों को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है. इसी क्रम में प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने तथा कचरे से ऊर्जा उत्पादन करने के उपाय भी किये जा रहे हैं. जलवायु संकट प्राकृतिक संसाधनों के लिए तो समस्या है ही, इससे लोगों का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है. प्राकृतिक आपदाओं से जान-माल का नुकसान होता है. मौसम में बदलाव से कृषि उत्पादन में कमी का अंदेशा है तथा जल संकट भी गंभीर हो सकता है. ऐसे में हर स्तर पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है तथा लोगों को इस संबंध में जागरूक भी किया जाना चाहिए. ऐतिहासिक रूप से इस संकट के लिए विकसित देश उत्तरदायी हैं, लेकिन इसके दुष्परिणाम मुख्य रूप से भारत समेत विकासशील व अविकसित देशों को भोगना पड़ रहा है. इसलिए भारत साझा अंतरराष्ट्रीय पहल के लिए भी प्रयासरत है.

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई

बिडेन प्रशासन वेनेजुएला पर प्रतिबंधों को ढीला करने के लिए तैयार

एजेंसी

मंगलवार को कच्चा तेल -0.27₹ की गिरावट के साथ 8849 पर बंद हुआ था। उन रिपोर्टों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है कि बाइडेन प्रशासन वेनेजुएला पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों को हटाने के लिए तैयार है। कीमतों को पहले चीन में मांग में सुधार की उम्मीद से समर्थन मिला क्योंकि यह कोविड प्रतिबंधों को कम करता है, और स्वीडन और फिनलैंड के नाटो में शामिल होने के कदमों के बाद यूरोपीय संघ और रूस के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से। ओपेक और संबद्ध राष्ट्रों को दिखाने वाले आंकड़ों से और समर्थन मिला, जिसमें रूस भी शामिल है, अप्रैल में 2020 में महामारी के सबसे खराब समय के दौरान किए गए रिकॉर्ड उत्पादन में कटौती को धीरे-धीरे कम करने के लिए एक सौदे के तहत आवश्यक स्तरों से बहुत नीचे का उत्पादन किया। यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री दबाव के अपने प्रयास में विफल रहे। हंगरी प्रस्तावित तेल प्रतिबंध पर अपना वीटो हटाएगा। लेकिन कुछ राजनयिक अब 30-31 मई के शिखर सम्मेलन को रूसी तेल

पर चरणबद्ध प्रतिबंध पर समझौते के क्षण के रूप में इंगित करते हैं।

यूएस एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ईआईए) ने कहा कि स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) में अमेरिकी कच्चा तेल पिछले हफ्ते रिकॉर्ड 70 लाख बैरल गिरकर 543.0 मिलियन बैरल पर आ गया, जो मई 2001 के बाद से सबसे कम है। एजेंसी ने यह भी कहा कि अमेरिकी डिस्टिलेट स्टॉकपाइल पिछले हफ्ते 104.0 मिलियन बैरल तक गिर गया, जो मई 2005 के बाद से सबसे कम है, ईस्ट कोस्ट डिस्टिलेट इन्वेंट्री 21.3 मिलियन बैरल के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिर गई, जो कि 1990 के आंकड़ों के अनुसार है। तकनीकी रूप से बाजार लंबे समय से परिसमापन के अधीन है क्योंकि बाजार में खुले ब्याज में -32.15₹ की गिरावट के साथ 5137 पर बंद हुआ है, जबकि कीमतों में 24 रुपये की गिरावट आई है, अब कच्चे तेल को 8742 पर समर्थन मिल रहा है और इससे नीचे 8634 के स्तर का परीक्षण देखा जा सकता है, और प्रतिरोध अब 8958 पर देखे जाने की संभावना है, ऊपर एक कदम से कीमतों का परीक्षण 9066 देखा जा सकता है।

मंत्रियों के समूह ने ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और रेस कोर्स पर 28% जीएसटी की सिफारिश की

नई दिल्ली। एजेंसी

बुधवार को जीएसटी को लेकर मंत्रियों के समूह की महत्वपूर्ण बैठक चल रही थी। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रियों के समूह ने ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और रेस कोर्स पर 28% जीएसटी की सिफारिश की है। पहले इन पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगती थी। बैठक से पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि यह जीएसटी स्लैब बढ़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती सट्टेबाजी और गेमिंग राशि पर कर लगाया जाएगा क्योंकि मंत्री समूह हर दांव या जीतने वाली राशि पर जीएसटी लगाने के पक्ष में नहीं है। जीओएम रिपोर्ट एक-दो दिन में सौंप दी जाएगी।

सरकार ने किया है राज्यों के मंत्रियों की समिति का गठन

पिछले साल मई में कसीनो, ऑनलाइन गेमिंग पोर्टल और घुड़दौड़ सेवाओं पर जीएसटी के बेहतर मूल्यांकन के लिए सरकार ने राज्यों के मंत्रियों की समिति का गठन किया था। मेघालय

के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की अगुवाई वाले मंत्री- समूह (GoM) की महत्वपूर्ण बैठक थी। बैठक में इस तरह की सेवाओं पर जीएसटी की दर को लेकर चर्चा हुई। पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने 3 मई की बैठक के बाद कहा था, ''इस बारे में सर्वसम्मति है कि कसीनो, रेसकोर्स और ऑनलाइन गेमिंग जैसी सेवाओं पर जीएसटी की अधिकतम 28 प्रतिशत की दर लगनी चाहिए।'

2.2 अरब डॉलर का उद्योग

एक न्यूज एजेंसी ने 11 मई को सूचना दी थी कि ऑनलाइन गेमिंग उद्योग 18 प्रतिशत से कम जीएसटी पर जोर दे रहा है। इस इंडस्ट्री का कहना है कि हाई टैक्स ब्रैकेट में जाने से 2.2 अरब डॉलर का उद्योग 'बुरी तरह से प्रभावित' होगा। इस उद्योग में 400 प्लेयर हैं और लगभग 45,000 लोग कार्यरत हैं। जीएसटी अधिकारियों के समक्ष अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए ऑनलाइन कौशल-आधारित गेमिंग प्लेटफॉर्म का एक संघ बनाया गया है। इस संभावित टैक्स Games24x7 के Co-CEO Trivikraman Thampy ने टैक्स में वृद्धि से विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। साथ ही विदेशी आपरेटरों को भारत से बाहर जाने के लिए भी मजबूर करेगा। यह इस उद्योग पर तिहरी मार है। इंडस्ट्री को नुकसान होगा, लिहाजा सरकार को टैक्स में नुकसान होगा और फिर इससे जुड़े व्यवसायी भी घाटे में जाएंगे।

News यू केन USE

5जी से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे : दूरसंचार सचिव

नयी दिल्ली। एजेंसी

दूरसंचार सचिव के राजारमन ने बुधवार को कहा कि 5जी सेवाओं की शुरुआत से नई प्रौद्योगिकियों के लिए उपयुक्त कौशल की जरूरत होगी, जिससे बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। राजारमन ने दूरसंचार क्षेत्र कौशल परिषद (टीएसएससी) के एक कार्यक्रम में कहा कि भारतनेट से लेकर अंतरिक्ष दूरसंचार और 5जी से लेकर ब्रॉडबैंड सेवाओं में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा। उन्होंने उद्योग को इन उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रतिभाशाली लोगों की 'पाइपलाइन' बनाने पर ध्यान देने का आह्वान भी किया। सचिव ने कहा, "उपयोग के मामलों या तरीकों में बढ़ोतरी के साथ 5जी सेवाओं में वृद्धि होगी तथा प्रौद्योगिकी की प्रकृति और क्षमता की पेशकश के चलते कौशल की एक नयी श्रृंखला भी खुलेगी।" दूरसंचार विभाग के शीर्ष अधिकारी ने 5जी की शुरुआत से ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट से संबंधित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि फिक्स्ड वायरलाइन ब्रॉडबैंड के भी तेजी से बढ़ने की काफी गुंजाइश है। अभी इस क्षेत्र में पहुंच का दायरा काफी सीमित है। यह क्षेत्र भी दो अंकीय वृद्धि हासिल कर सकता है।

RBI मार्च में विदेशी मुद्रा में USD 20 बिलियन डॉलर की बिक्री की

मुंबई। एजेंसी

मई 2022 के लिए RBI की मासिक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिज़र्व बैंक मार्च में अमेरिकी डॉलर का शुद्ध विक्रेता बन गया, जिसने स्पॉट मार्केट में शुद्ध आधार पर 20.101 बिलियन अमरीकी डालर की बिक्री की। केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को जारी बुलेटिन के अनुसार, स्पॉट मार्केट से 4.315 बिलियन अमरीकी डालर खरीदे और रिपोर्टिंग महीने में 24.416 बिलियन अमरीकी डालर की बिक्री की। भारतीय रिज़र्व बैंक ने मार्च 2021 में 5.699 बिलियन अमरीकी डालर का ग्रीनबैक खरीदा था। आरबीआई ने फरवरी 2022 में 5.946 बिलियन अमरीकी डालर की खरीद और हाजिर बाजार में 5.175 बिलियन अमरीकी डालर की बिक्री के बाद 771 मिलियन अमरीकी डालर की अमेरिकी मुद्रा का अधिग्रहण किया। आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2022 के अंत में वायदा डॉलर बाजार में बकाया शुद्ध खरीद 65.791 अरब डॉलर थी, जो फरवरी 2022 में 49.106 अरब डॉलर थी। आरबीआई के पास मार्च के अंत में शुद्ध लंबे समय से बकाया विदेशी मुद्रा पदों में 65.79 बिलियन अमरीकी डालर था, जो फरवरी में 49.11 बिलियन अमरीकी डालर था। RBI सकल ने मुद्रा वायदा खंड में प्रत्येक में USD 570 मिलियन का अधिग्रहण और बिक्री की, जिससे मार्च के अंत में कोई शुद्ध बकाया मुद्रा वायदा नहीं बचा।

IOC: ये PSU स्टॉक दे सकता है 32% रिटर्न

Crude महंगा होने से FY22 में कंपनी ने की रिकॉर्ड कमाई

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकारी तेल कंपनी इंडियन आयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (IOC) के शेयरों में कमजोरी देखने को मिली है। बुधवार को शेयर करीब 5 फीसदी कमजोर होकर 118 रुपये के भाव पर आ गया। जबकि मंगलवार को यह 124 रुपये पर बंद हुआ था। असल में IOC का मुनाफा वित्त वर्ष 2022 की अंतिम यानी मार्च तिमाही में 31 फीसदी घट गया है। हालांकि कंपनी ने वित्त वर्ष 2022 में क्रूड की कीमतों में तेजी के चलते रिकॉर्ड कमाई की है। इस दौरान 2,06,461 करोड़ का रेवेन्यू हासिल हुआ। नतीजों के बाद ब्रोकरेज हाउस शेयर को लेकर पॉजिटिव है और निवेश की सलाह दे रहे हैं। अलग अलग ब्रोकरेज का टारगेट देखें तो इसमें 32 फीसदी रिटर्न मिल सकता है।

164 रुपये तक जा सकता है शेयर

ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल ने IOCL के शेयर में निवेश की सलाह दी है और टारगेट प्राइस 164 रुपये रखा है। शेयर कल 124 रुपये पर बंद हुआ था। इस लिहाज से इसमें 32 फीसदी रिटर्न मिल सकता है। ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि IOCL अगले 3 साल में विभिन्न परियोजनाओं को चालू करने के लिए तैयार है, जिससे ग्रोथ में और तेजी आएगी। वर्तमान में चल रही रिफाइनरी परियोजनाएं पूरी होने की उम्मीद है। इनमें पानीपत रिफाइनरी, गुजरात रिफाइनरी और बरुनी रिफाइनरी हैं।

ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि FY22 में कंपनी का EBITDA सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़कर 43200 करोड़ रहा है। जबकि PAT 11 फीसदी बढ़कर 24200 करोड़ रहा। रिफाइनिंग कारोबार में ग्रोथ देखने को मिली है। GRM 11.25 डॉलर/bbl (v/s FY21 में 5.64 डॉलर/bbl) हो गया है। मार्केटिंग सेल्स वॉल्यूम 8 फीसदी सालाना बढ़कर 79.6mmt हो गया। जबकि मार्केटिंग मार्जिन 4.7 रुपये/liter रहा है।

PAT अनुमान से कमजोर

ब्रोकरेज हाउस एमके ग्लोबल ने भी IOCL के शेयर में निवेश की सलाह दी है और टारगेट 140 रुपये का दिया है। ब्रोकरेज ने लोअर मार्केटिंग मार्जिन के चलते FY23E EPS का अनुमान 20 फीसदी घटा दिया है। ब्रोकरेज का कहना है कि Q4FY22 में EBITDA अनुमान के मुताबिक रहा है, जबकि PAT अनुमान से कमजोर। फाइनेंस कास्ट 49 फीसदी से ज्यादा रहा। रिफाइनरी यूटिलाइजेशन 106 फीसदी रहा जो हेल्दी है। मार्केटिंग वॉल्यूम अनुमान के मुताबिक रहा। डोमेस्टिक सेल्स में सालाना आधार पर 2.8 फीसदी ग्रोथ रही, जबकि इंडस्ट्री की ग्रोथ 3.1 फीसदी है।

सरसों तेल के दाम में आई गिरावट कई अन्य तेल भी हुए सस्ते

नई दिल्ली। एजेंसी

विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद स्थानीय मांग कमजोर होने से दिल्ली तेल-तिलहन (Edible Oil Price) बाजार में सोमवार के मुकाबले मंगलवार को सरसों (Mustard Oil Price) तेल-तिलहन, मूंगफली तिलहन, सोयाबीन तेल, सीपीओ, बिनौला और पामोलीन तेल कीमतें गिरावट दर्शाती बंद हुईं। वहीं सामान्य कारोबार के बीच मूंगफली तेल और सोयाबीन दाना और लूज (तिलहन) के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे।

बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि सरसों से जिस पैमाने पर रिफाइंड तैयार किया जा रहा है उससे आगे जाकर सरसों की दिक्कत आ सकती है। फिलहाल गर्मी की मांग कम है लेकिन बरसात के साथ मांग बढ़ना शुरू होने पर दिक्कत पेश आ सकती है। विदेशी तेलों के महंगा होने की स्थिति में सरसों, मूंगफली, सोयाबीन और बिनौला खाद्य तेलों की कमी को पूरा कर रहे हैं, लेकिन जितने बड़े पैमाने पर (तेल आवश्यकता के लगभग 65 प्रतिशत भाग का) आयात किया जाता रहा है उसकी कमी की भरपाई देशी तेल एक निश्चित सीमा तक ही कर पायेंगे। सरसों के मामले में अगली फसल आने में लगभग नौ-10 महीने हैं। इस बीच की जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान देने की जरूरत है।

सरसों का स्टॉक बनाने की जरूरत

सूत्रों ने कहा कि केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकार की खरीद एजेंसियों को बाजार भाव से सरसों तिलहन की खरीद कर इसका स्टॉक बना लेना चाहिये तो प्रतिकूल समय में मांग की स्थिति को संभालने के लिहाज से यह काफी मददगार साबित हो सकता है। सरसों का कोई विकल्प नहीं है और सरकार को तेल-तिलहन बाजार पर चौकस नजर रखने की जरूरत है क्योंकि इंडोनेशिया में तेल निर्यात पर प्रतिबंध है और सोयाबीन डीगम और सीपीओ एवं पामोलीन के भाव काफी महंगे हैं। सूत्रों ने कहा कि पिछले वर्ष मई महीने में सरसों कच्ची घानी तेल का थोक में भाव 175-180 रुपये लीटर था जो इस साल मई में 152-156 रुपये लीटर से अधिक नहीं होना चाहिये। अगर कोई इससे ऊंचे भाव पर इसकी बिक्री करता है, तो यह गलत है और उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिये।

बिटमेक्स ने स्पॉट एक्सचेंज लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

दुनिया के सबसे पुराने क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में से एक अब क्रिप्टो व्यापारियों के लिए स्पॉट एक्सचेंज लॉन्च कर रहा है। बिटमेक्स स्पॉट एक्सचेंज लाइव है, जिससे उपयोगकर्ता पिछले कुछ हफ्तों में प्लेटफॉर्म में जोड़े गए सात सिक्कों के जोडो के साथ व्यापार कर सकते हैं। दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में से एक, BitMEX ने खुदरा और संस्थागत व्यापारियों के लिए कंपनी अपने उत्पाद की पेशकश का विस्तार करने के खातिर बिटमेक्स स्पॉट एक्सचेंज के शुभारंभ की घोषणा की है। कंपनीने लॉन्च ऐसे मौके पर किया है जब कंपनी अपने डेरिवेटिव ऑफर की सफलता के बाद शीर्ष दस वैश्विक स्पॉट एक्सचेंज में अपना स्थान बनाना चाहती है। बिटमेक्स स्पॉट एक्सचेंज का शुभारंभ भारत में क्रिप्टो व्यापारियों को अत्याधुनिक उत्पादों की पेशकश खातिर बिटमेक्स की रणनीति के एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है। Bitcoin (XBT), Ethereum (ETH), Chainlink (LINK), Uniswap (UNI), Polygon (MATIC), Axie Infinity (AXS) and ApeCoin (APE), सहित सात जोड़ी क्रिप्टोकरेंसी का समर्थन करता है, सभी Tether (USDT) के खिलाफ। अभी उपयोगकर्ता सेंट्रल लिमिट ऑर्डर बुक्स के माध्यम से कॉइन कन्वर्जन रिक्वेस्ट-फॉर-कोट्स रखकर और एपीआई ट्रेडिंग का लाभ उठाकर स्पॉट तक पहुंचने में सक्षम हैं और साथ ही अगले कुछ हफ्तों में बिटमेक्स लाइट मोबाइल ऐप पर स्पॉट के लॉन्च होने के बाद किया जा सकेगा। यह उपयोगकर्ताओ की बढ़ती मांग और बाजार की बदलती परिस्थितियों की वजह से बिटमेक्स ने पिछले साल अपने उत्पादों के सूट के पूरक के लिए अपना पूरी तरह से एकीकृत स्पॉट एक्सचेंज बनाने का फैसला किया था।

तेल खली का निर्यात अप्रैल में 10 प्रतिशत बढ़कर 3.34 लाख टन पर

नयी दिल्ली। एजेंसी

रैपसीड खली का अधिक निर्यात होने की वजह से तेल खली का निर्यात अप्रैल में 10 प्रतिशत बढ़कर लगभग 3.34 लाख टन हो गया। उद्योग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने एक बयान में कहा कि अप्रैल, 2022 में तेल खली का निर्यात 3,33,972 टन (अस्थायी) दर्ज किया गया, जो पिछले साल इसी महीने में 3,03,705 टन था।

रैपसीड खली का निर्यात अप्रैल के दौरान बढ़कर 2,29,207 टन हो गया, जो मार्च 2022 में 93,984 टन था। एसईए ने बताया कि तेल खली का निर्यात पिछले वित्त वर्ष में घटकर 23.8 लाख टन रह गया, जो इससे पिछले साल में 36.8 लाख टन था। मूल्य के संदर्भ में, निर्यात अपने पहले के 8,900 करोड़ रुपये से घटकर पिछले वर्ष 5,600 करोड़ रुपये का रह गया। चालू वर्ष (2022-23) में तेल खली का निर्यात कम रहने की संभावना है। घरेलू बाजार में सोयाबीन की ऊंची कीमत के कारण सोयाबीन खली के मामले में भारत अंतरराष्ट्रीय बाजार में कहीं अधिक महंगा बैठता है। दक्षिण कोरिया, वियतनाम, थाइलैंड, बांग्लादेश और ताइवान भारतीय तेल खली के प्रमुख आयातक हैं।

अधिकारियों की कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए एमएसडीई और आईएसबी की साझेदारी

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'मिशन कर्मयोगी' के अनुरूप कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने हाल ही में अधिकारियों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम आयोजित करने हेतु इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (घ्यूँ) के साथ भागीदारी की है। उल्लेखनीय है कि 'मिशन कर्मयोगी' सरकारी कर्मचारियों की कैपेसिटी बिल्डिंग करने और माइंडसेट, कार्यप्रणाली और स्किल सेट के आधुनिकीकरण की दिशा में अपनी तरह का पहला प्रयोग है।

एमएसडीई के तहत डिवीजनों में कुल 120 अधिकारी (30 प्रति बैच) आईएसबी हैदराबाद और मोहाली कैंपस में एक व्यापक पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण से गुजरेंगे। अधिकारियों के लिए आयोजित एक दीक्षांत समारोह के साथ 30 अधिकारियों के पहले बैच ने आईएसबी मोहाली परिसर से अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।

एमएसडीई मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्देश्य एमएसडीई के अधिकारियों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के प्रिंसिपल, सेक्टर स्किल काउंसिल, जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के अधिकारियों, सीईओ, राज्य कौशल मिशन निदेशकों के मिक्सड बैच के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान कर उन्हें कुशल बनाना है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सेक्रेटरी श्री राजेश अग्रवाल की उपस्थिति में एमएसडीई और आईएसबी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य स्ट्रैटेजिक माइंडसेट बनाते हुए लीडरशीप स्किल्स को और अधिक मजबूत करना है जिससे डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में सहायता मिल सकेगी। स्ट्रैटेजिक लीडरशीप और मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से, एमएसडीई और आईएसबी अधिकारियों को अपने संबंधित संगठनों के भीतर इनोवेशन का कल्चर बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। बैचों को रणनीतिक रूप से नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए क्रॉस-लर्निंग को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इससे निरंतर सफलता सुनिश्चित करने के लिए जटिलताओं को भी समझा जा सकेगा। आईएसबी के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीबीसी मेंबर एडमिन श्री प्रवीण परदेसी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने स्किल इकोसिस्टम के निर्माण में गवर्नेंस की भूमिका पर एक लेक्चर भी दिया।

सरकारी कंपनी को बंद करने का अधिकार अब उस कंपनी के बोर्ड को

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार की किसी कंपनी (CPSE) या उसकी सब्सिडियरी कंपनी (Subsidiary) को बंद करने का फैसला अब उस कंपनी के निदेशकमंडल (Board of Directors) ले सकेंगे। सरकार ने इसका अधिकार बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर को दे दिया है। इस आशय का फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता आज यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया।

अभी बोर्ड को सीमित शक्ति

सरकार की तरफ से जारी एक बयान में बताया गया कि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के

मंत्रिमंडल का फैसला समझिए

निदेशकमंडलों को इकाइयों एवं उनकी अनुषंगिक इकाइयों को बंद करने, उनका विनिवेश करने संबंधी फैसले लेने का अधिकार दे दिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या होल्डिंग कंपनी के निदेशकमंडल को वर्तमान में कुछ शक्तियां प्राप्त हैं जिनके तहत वे वित्तीय संयुक्त उपक्रम या पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई स्थापित करने के लिए इक्विटी निवेश कर सकते हैं। इसमें भी शुद्ध संपत्ति संबंधी कुछ सीमाएं होती हैं। लेकिन निदेशकमंडल को अनुषंगियों या इकाइयों या संयुक्त उपक्रमों में हिस्सेदारी को खत्म करने या विनिवेश करने का अधिकार नहीं होता। हालांकि, कुछ महारत्न कंपनियों के पास इस तरह की सीमित शक्ति होती है कि वे अनुषंगियों में कुछ हिस्सेदारी का विनिवेश कर सकती हैं।

अभी तक मंत्रिमंडल की लेनी होती है अनुमति

किसी संयुक्त उपक्रम में हिस्सेदारी बेचने, अनुषंगी या इकाइयों को बंद करने या उनकी कुछ हिस्सेदारी बेचने या रणनीति विनिवेश करने के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी की आवश्यकता होती है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे मजबूत खुला

नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया आज मजबूती के साथ खुला। आज डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे की मजबूती के साथ 77.54 रुपये के स्तर पर खुला। वहीं, मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे की कमजोरी के साथ 77.56 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। डॉलर में कारोबार काफी समझदारी से करने की जरूरत होती है, नहीं तो निवेश पर असर पड़ सकता है। जानिए पिछले 5 दिनों के रुपये का क्लोजिंग स्तर -मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे की कमजोरी के साथ 77.56 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। -शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 3 पैसे की कमजोरी के साथ 77.45 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। -गुरुवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 18 पैसे की कमजोरी के साथ 77.42 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। -बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे की मजबूती के साथ 77.24 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। -मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे की मजबूती के साथ 77.33 रुपये के स्तर पर बंद हुआ।

जानिए रुपये के कमजोर या मजबूत होने का कारण रुपये की कीमत इसकी डॉलर के तुलना में मांग एवं आपूर्ति से तय होती है। वहीं देश के आयात एवं निर्यात का भी इस पर असर पड़ता है। हर देश अपने विदेशी मुद्रा का भंडार रखता है। इससे वह देश के आयात होने वाले सामानों का भुगतान करता है। हर हफ्ते रिजर्व बैंक इससे जुड़े आंकड़े जारी करता है। विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति क्या है, और उस दौरान देश में डॉलर की मांग क्या है, इससे भी रुपये की मजबूती या कमजोरी तय होती है। महंगे डॉलर का जानिए आप पर असर देश में अपनी जरूरत का करीब 80 फीसदी क्रूड ऑयल का आयात करना पड़ता है। इसमें भारत को काफी ज्यादा डालर खर्च करना पड़ता है। यह देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बनाता है, जिसका असर रुपये की कीमत पर पड़ता है। अगर डॉलर महंगा होगा, तो हमें ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है, और अगर डॉलर सस्ता हो तो थोड़ी राहत मिल जाती है। रोज यह उठा पटक डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति को बदलती रहती है।

जैव ईंधन नीति में संशोधन

2025-26 तक पूरा किया जाएगा पेट्रोल में 20% एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य

नयी दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पेट्रोल में एथनॉल के 20 प्रतिशत मिश्रण के लक्ष्य को पूर्व-निर्धारित समयसीमा से पांच साल पहले यानी 2025-26 तक पूरा करने की बुधवार को मंजूरी दे दी। यह कदम जैव ईंधन के उत्पादन में तेजी लाने और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए आयातित तेल पर निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को हुई बैठक में जैव ईंधन की राष्ट्रीय नीति में संशोधन को मंजूरी दे दी। इसमें प्रमुख संशोधन पेट्रोल में 20 फीसदी एथनॉल मिश्रण के लक्ष्य को पूर्व की समयसीमा 2030 से पहले यानी 2025-26 तक हासिल करने से संबंधित है। वर्तमान में पेट्रोल में करीब 10 प्रतिशत एथनॉल मिलाया जाता है। इसके अलावा जैव ईंधन के उत्पादन के लिए और कुछ और 'कच्चे माल' के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। इनको को वाहन ईंधन में मिलाया जा सकता है। मंत्रिमंडल ने 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत देश में जैव ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा देने की भी मंजूरी दी है। अपनी कच्चे तेल संबंधी 85 प्रतिशत जरूरत के लिए आयात पर निर्भर भारत के लिए ये फैसले काफी मददगार होंगे और आयात पर देश की निर्भरता को कम करेंगे। बयान में कहा गया कि मंत्रिमंडल ने विशिष्ट मामलों में जैव ईंधन के निर्यात की मंजूरी देने पर भी सहमति जताई है। इसमें कहा गया कि इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को 2047 तक ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के सपने को पूरा करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण के किसानों के बैंक खाते में राशि होगी आंतरिक -वाधवानी

इंदौर। भाजपा नेता संतोष वाधवानी (रत्न विशेषज्ञ)ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के किसानों तथा ग्रामीण क्षेत्रों की प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को लाभान्वित करेंगे किसान कल्याण योजना 8200000 से अधिक किसानों को 17000 करोड रुपए की राशि सिंगल क्लीन के द्वारा सीधे बैंक खाते में अंतरित करेंगे। वाधवानी ने यह भी जानकारी दी कि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण के तहत प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को मूंग वितरण भी करेंगे। जिसमें प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों को 10 किलो तथा माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को 15 किलो प्रति छात्र के मान से मूंग वितरण होगा। वाधवानी ने इसके लिए प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी को साधुवाद पत्र भी भेजा है।

ATM से QR कोड स्कैन करके निकालें पैसा, जानिए आसान प्रोसेस

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से सभी एटीएम पर कार्डलेस नकद निकासी (कैश निकालने) की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया था। अभी तक आप एटीएम से नकदी निकालने के लिए डेबिट कार्ड या ओटीपी आधारित ऑप्शन का उपयोग कर रहे होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अब फोनपे, पेटीएम और गूगलपे जैसे यूपीआई ऐप्स की मदद से एटीएम से भी कैश निकाल सकेंगे। ये सुविधा शुरू होने जा रही है, इसलिए पहले ही प्रोसेस जान लें। इस कंपनी की है प्लानिंग यूपीआई से कैश निकालन वाले फीचर की घोषणा कुछ समय पहले की गई थी। अब एनसीआर कॉर्पोरेशन भी सभी एटीएम को अपग्रेड कर रही है। मशीन के अपग्रेड होने के बाद, आप यूपीआई ऐप के जरिए इंटरऑपरेबल कार्डलेस कैश विदड्रॉल (आईसीसीडब्ल्यू) कर सकते हैं।

कुछ बातें जरूर जानिए इस फीचर का इस्तेमाल करने से पहले आपको कुछ बातें जाननी जरूरी हैं। यह सुविधा इसलिए भी प्रदान की जा रही है ताकि बिना डेबिट और क्रेडिट कार्ड के नकद निकासी की सुविधा भी प्रदान की जा सके। इससे एटीएम मशीन से आराम से बिना कार्ड के कैश निकालने की सुविधा शुरू होगी। आपका नंबर बैंक में रजिस्टर होना चाहिए और आपके फोन में यूपीआई ऐप होना चाहिए।

ऐप करें डाउनलोड अब हम आपको वह प्रोसेस बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप बिना डेबिट कार्ड की मदद के ही यूपीआई ऐप की मदद से एटीएम से पैसे निकाल पाएंगे। सबसे पहले आपको अपने स्मार्टफोन में गूगलपे, फोनपे, पेटीएम, व्हाट्सएप पे और अमेजन पे में से कोई एक यूपीआई ऐप डाउनलोड करना होगा।

क्या है प्रोसेस एटीएम में जाकर कैश विदड्रॉल पर क्लिक करें। अब आपके सामने यूपीआई का ऑप्शन भी आ जाएगा। इस पर क्लिक करने पर एटीएम स्क्रीन पर क्यूआर कोड दिखाई देगा। अब अपने फोन में किसी भी यूपीआई ऐप को खोलें और क्यूआर कोड को स्कैन करें। इसके बाद आप जितना पैसा आप एटीएम मशीन से निकालना चाहते हैं वह राशि टाइप करें।

ये ध्यान रहे ध्यान रखें कि आप अभी इस फीचर के तहत 5,000 रुपये से ज्यादा नहीं निकाल सकते हैं। अमाउंट डालने के बाद प्रोसेस्ड पर क्लिक करें। अब आपसे पिन पूछा जाएगा, यहां अपना यूपीआई पिन डालें। इसके बाद एटीएम से कैश निकल जाएगा। आईसीआईसीआई बैंक कार्डलेस लेनदेन या निकासी इन दिनों चलन में है और बैंक अपने ग्राहकों को इसे चुनने का विकल्प दे रहे हैं। इस सुविधा के लिए बैंक ग्राहकों को एटीएम से नकदी निकालते समय अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है। यह सुविधा फिलहाल बैंकों के चुनिंदा एटीएम पर उपलब्ध है। आईसीआईसीआई बैंक अपने ग्राहकों को कार्डलेस निकासी करने की अनुमति देता है और कार्डलेस लेनदेन करने की फैसिलिटी प्रोवाइड करता है। आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहकों को आईमोबाइल पे ऐप में लॉग इन करना होगा और कार्डलेस नकद निकासी लेनदेन शुरू करना होगी। एक व्यक्ति लेनदेन शुरू करते समय एसएमएस और 4 अंकों के पिन के माध्यम से प्राप्त डिटेल का उपयोग करके पूरे भारत में 15,000 से अधिक आईसीआईसीआई बैंक एटीएम से नकदी निकाल सकता है।

News यू केन USE

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे टूटा

मुंबई। एजेंसी

विदेशी कोषों के लगातार बाहर जाने और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने के कारण रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 6 पैसे टूटकर 77.50 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपया पर असर पड़ा हालांकि घरेलू शेयर बाजार में मजबूती के कारण रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77.57 पर कमजोर खुला, और फिर थोड़े सुधार के साथ 77.50 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 6 पैसे की कमजोरी दर्शाता है। शुरुआती सौदों में स्थानीय मुद्रा ने 77.57 से 77.48 के दायरे में कारोबार किया। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.47 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.38 फीसदी बढ़कर 112.36 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

विश्व बैंक से मिले 16 करोड़ डॉलर में से कुछ धन ईंधन खरीदने पर कर सकते हैं खर्चः विक्रमसिंघे

कोलंबो। एजेंसी

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने बुधवार को संसद में कहा कि देश को विश्व बैंक से 16 करोड़ डॉलर की सहायता मिली है। उन्होंने कहा कि आर्थिक संकट के कारण देश में ईंधन और गैस की कमी होने और इसके खिलाफ यहां जारी विरोध प्रदर्शन को देखते हुए इस आर्थिक सहायता में से कुछ हिस्सा ईंधन खरीदने के लिए उपयोग करने की संभावना तलाशी जा रही है। विक्रमसिंघे ने कहा, ''विश्व बैंक से 16 करोड़ डॉलर मिले हैं और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से भी अनुदान मिलने की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा कि विश्व बैंक से मिले धन का उपयोग ईंधन खरीदने के लिए नहीं किया जा सकता है। विक्रमसिंघे ने कहा, ''हालांकि हम पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इसके कुछ हिस्से का उपयोग ईंधन खरीद के लिए किया जा सकता है।'' विक्रमसिंघे ने बीते सोमवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत से मिले कर्ज के तहत पेट्रोल की दो और खेप इस सप्ताह और 29 मई तक आने वाली हैं। ईंधन और गैस की कमी के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को भी यहां कई सड़कों को जाम किया ।

आकाश एयर का एयरलाइन कोड 'क्यूपी' होगा

नयी दिल्ली। एजेंसी

विमानन कंपनी आकाश एयर का एयरलाइन कोड 'क्यूपी' होगा। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एयरलाइन का वाणिज्यिक परिचालन जुलाई में शुरू हो सकता है। यह एयरलाइन राकेश झुनझुनवाला, विनय दुबे और आदित्य घोष समर्थित है। सभी एयरलाइंस का एक डिजाइनर कोड होता है। उदाहरण के लिए इंडिगो का कोड '6ई', गो फर्स्ट का 'जी8' और एयर इंडिया का 'एआई' है। आकाश एयर ने ट्वीट किया, ''हम हमारे एयरलाइन कोड 'क्यूपी' की घोषणा करते हुए बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं।'' एयरलाइन ने अपना वाणिज्यिक उड़ान संचालन शुरू करने के लिए अगस्त, 2021 में नागर विमानन मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) हासिल किया था।

'डू नॉट डिस्टर्ब' पंजीकरण के बाद भी अवांछित कॉल से नहीं मिला छुटकाराः सर्वे

नयी दिल्ली। एजेंसी

दूरसंचार नियामक ट्राई के पास 'डू नॉट डिस्टर्ब' सेवा के लिए पंजीकरण कराने के बाद भी मोबाइल सेवा उपभोक्ताओं के एक बड़े तबके को अवांछित कॉल एवं एसएमएस संदेशों से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। ऑनलाइन मंच 'लोकलसर्किल्स' के एक सर्वे में यह पाया गया है कि करीब 95 प्रतिशत प्रतिभागियों को 'डू नॉट डिस्टर्ब' सेवा के तहत पंजीकरण कराने के बावजूद अवांछित कॉल एवं संदेश मिल रहे हैं। देश के 377 जिलों में 10 मार्च से 10 मई के बीच कराए गए इस सर्वे में करीब 37,000 मोबाइल उपभोक्ताओं से राय ली गई। इसमें पाया गया कि 64 प्रतिशत लोगों को हर दिन औसतन तीन-चार 'स्पैम' कॉल आती रहती हैं। लोकल सर्किल्स ने मंगलवार को जारी अपनी सर्वे रिपोर्ट में कहा, ''कई लोगों के पास धोखाधड़ी करने की नीयत रखने वाले एवं टेलीमार्केटिंग से जुड़े लोगों की अवांछित कॉल आती रहती हैं। ऐसा 'डू नॉट डिस्टर्ब' पंजीकरण कराने के बावजूद हो रहा है।'' इस बारे में संपर्क किए जाने पर भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अवांछित कॉल की समस्या दूर करने के लिए नियामक ने ब्लॉकचेन-आधारित तकनीक का इस्तेमाल करना शुरू किया है लेकिन गैर-पंजीकृत टेलीमार्केटिंग वालों पर काबू पाना अभी चुनौती बना हुआ है। दूरसंचार विभाग ने पिछले साल अवांछित कॉल के लिए जुर्माना बढ़ाया था। अब 10 बार तक उल्लंघन करने पर 1,000 रुपये और 50 से ज्यादा बार उल्लंघन करने पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगने का प्रावधान है।

आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कम एवं स्थिर मुद्रास्फीति जरुरीः आरबीआई लेख

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक लेख में कहा गया है कि आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार और कम एवं स्थिर मुद्रास्फीति सुनिश्चित करने के साथ वृहद-आर्थिक स्थिरता भी बहुत जरुरी है। आरबीआई बुलेटिन में मंगलवार को 'स्टेट ऑफ द इकोनॉमी' शीर्षक से प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने सुधार को समेकित किया है और ज्यादातर आर्थिक क्षेत्रों में गतिविधियां कोविड-19 महामारी से पहले के स्तर को पार कर गई हैं। लेख के मुताबिक, ''भारत कोविड-19 महामारी के प्रभाव से उबरने के लिए चुनौतियों का सामना कर रहा है। मानवता के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा निवेश किया गया।'' इसके अलावा डिजिटलकरण अभियान में तेजी, भारत में 'यूनिकॉर्न' कंपनियों की बढ़ती संख्या अर्थव्यवस्था में तेजी से आ रहे बदलाव को दर्शाती है। लेख के अनुसार स्थायी आधार पर उच्च वृद्धि दर हासिल करने के लिए सरकार को पूंजीगत व्यय बढ़ाकर निजी निवेश को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। हालांकि आरबीआई ने यह साफ किया है कि इस लेख में व्यक्त विचार 'लेखकों' के हैं और कोई जरूरी नहीं है कि वे भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व करते हों।

रूस संग खड़े भारत को रिझाने के लिए अमेरिका चलाएगा नया 'हथियार', 50 करोड़ डॉलर की डील का ऑफर तैयार

वॉशिंगटन/मास्को। एजेंसी

यूक्रेन की सेना को अरबों डॉलर के हथियार देकर रूस की सेना में तबाही मचाने अमेरिका की नजर अब व्लादिमीर पुतिन के दोस्तों पर भी हो गई है। अमेरिका भारत के लिए एक सैन्य सहायता पैकेज तैयार कर रहा है ताकि नई दिल्ली के साथ रक्षा संबंधों को और ज्यादा मजबूत किया जा सके। साथ ही भारत की रूसी हथियारों पर निर्भरता को कम किया जा सके। बताया जा रहा है कि अमेरिकी हथियारों का यह पूरा पैकेज 50 करोड़ डॉलर का हो सकता है। समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग ने इस पूरे मामले से जुड़े एक व्यक्ति के हवाले से कहा कि 50 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता के बाद इजरायल और मिस्र के बाद भारत इस तरह की सहायता पाने वाला तीसरा बड़ा देश बन जाएगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि समझौते की घोषणा कब होगी या कौन-कौन से हथियारों को शामिल किया जाएगा। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि अमेरिका का यह कदम राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से भारत को लंबी अवधि के लिए सुरक्षा सहयोगी बनाने के प्रयासों का हिस्सा है।

मोदी सरकार को जरूरत का हर हथियार देने की तैयारी

अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि भारत ने यूक्रेन युद्ध में रूस की आलोचना नहीं की है, इसके बाद भी ये अमेरिकी हथियार उसे दिए जाएंगे। अमेरिका की कोशिश है कि वह भारत का हर क्षेत्र में एक विश्वसनीय सहयोगी देश बने। बाइडन प्रशासन के इसके अलावा अन्य देशों जैसे फ्रांस के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि पीएम मोदी की सरकार को वह प्रत्येक हथियार मिले जिसकी उन्हें जरूरत है। अधिकारी ने कहा कि भारत ने पहले ही रूस पर से अपने हथियारों की निर्भरता को कम करने के लिए पहले ही प्रयास तेज कर दिया है और बाइडन प्रशासन इसे और तेज करना चाहता है। बाइडन प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि भारत को किस तरह से बड़े हथियार जैसे फाइटर जेट, नौसैनिक युद्धपोत और युद्धक टैंक मुहैया कराए जाएं। अमेरिकी प्रशासन इन क्षेत्रों में भी बड़ी सफलता हासिल करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका की 50 करोड़ डॉलर की हथियारों की सहायता एक तरह से सहायता करने का प्रतीकात्मक संकेत है। भारत के विदेश मंत्रालय ने अभी इस पर कोई कॉमेंट करने से इंकार कर दिया है।

भारत ने रूस से 25 अरब डॉलर के हथियार खरीदे

भारत रूसी हथियारों का सबसे बड़ा खरीददार है। हालांकि अब भारत रूस पर हथियारों की निर्भरता को कम कर रहा है। भारत ने अभी हाल ही में रूस के साथ कमोव हेलिकॉप्टर सौदे को रद कर दिया है। पिछले एक दशक में भारत ने अमेरिका से 4 अरब डॉलर के हथियार खरीदे हैं, वहीं रूस से 25 अरब डॉलर का सौदा हुआ है। विश्लेषक मानते हैं कि चीन और पाकिस्तान से निपटने के लिए भारत की रूसी हथियारों पर निर्भरता के कारण ही मोदी सरकार ने यूक्रेन पर रूस की आलोचना से परहेज किया। अमेरिका की सरकार इसको लेकर पहले भारत से काफी नाराज हुई थी लेकिन अब उन्हें भारत के संकट का अहसास हो गया है। यही नहीं चीन से निपटने के लिए अब खुलकर अमेरिका भारत का साथ दे रहा है।

अस्थमा जागरुकता माह

अंडरडायग्नोसिस एवं इलाज के प्रति लापरवाही के कारण भारत में अस्थमा का भार बढ़ रहा है

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ग्लोबल बर्डन ऑफ डिज़ीज़ (जीबीडी) अध्ययन के मुताबिक भारत में 30 मिलियन से ज्यादा लोग अस्थमा का शिकार हैं, जो पूरे विश्व में अस्थमा के भार के 13.09 प्रतिशत के बराबर है। जबकि अस्थमा से होने वाली मौतों के मामले में भारत का योगदान 42 प्रतिशत से ज्यादा है। रुग्णता और मृत्यु का प्रमुख कारण होने के बाद भी सालों तक इस बीमारी का निदान एवं इलाज नहीं कराया जाता है। दुनिया में आबादियों पर आधारित अध्ययनों के मुताबिक अस्थमा के 20 से 70 प्रतिशत मरीजों का निदान नहीं हो पाता है और वो इलाज से वंचित रह जाते हैं। अस्थमा का निदान एवं इलाज अनेक कारणों से नहीं हो पाता है, जिनमें बीमारी की जागरुकता कम होना, इन्हेलेशन थेरेपी का पालन न करना, अज्ञानता, गरीबी और सामाजिक कलंक शामिल हैं। मरीज शुरुआती लक्षणों को नजरंदाज कर जाते हैं, जिससे उनकी स्थिति और ज्यादा गंभीर हो जाती है। ग्लोबल अस्थमा नेटवर्क (जीएएन) अध्ययन के अनुसार भारत में शुरुआती लक्षणों वाले 82 फीसदी और गंभीर अस्थमा वाले 70 फीसदी मरीजों का निदान नहीं हो पाता है। श्रेष्ठ इलाज नियमबद्धता से करवाने वाले मरीजों की संख्या भी बहुत कम है और प्रतिदिन इन्हेलेशन थेरेपी 2.5 प्रतिशत से भी कम मरीज लेते हैं। अस्थमा को आम जनता 'श्वास', 'दमा', या 'खांसी और जुकाम' के नाम से भी जानती है। यह सांस की एक लंबी बीमारी है, जिसमें सांस लेने में तकलीफ, छाती में दर्द, खांसी, और सांस लेने में घरघराहट होती है। इस बीमारी से फेफड़ों में मौजूद वायुनलिकाएं प्रभावित होती हैं, जिससे उनमें दीर्घकालिक सूजन आ जाती है, और उत्तेजकों के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो जाती हैं, जिससे अस्थमा का दौरा पड़ने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

ग्लोबल अस्थमा नेटवर्क (जीएएन) अध्ययन का उल्लेख करते हुए, डॉ. रवि दोसी, एचओडी, रेस्पिरेटरी विभाग, एसएआईएमएस, ने अस्थमा से जुड़े सामाजिक कलंक को दूर किए जाने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''जब अस्थमा का मरीज डॉक्टर से संपर्क करता है, तो केवल 71 प्रतिशत डॉक्टर ही उसकी बीमारी को अस्थमा का नाम देते हैं, जबकि अन्य एक तिहाई डॉक्टर (29 प्रतिशत) इस बीमारी को किसी और नाम से बुलाते हैं। मरीजों के मामले में भी अस्थमा के केवल 23 प्रतिशत मरीज ही अपनी बीमारी को अस्थमा कहकर बुलाते हैं। अस्थमा से जुड़ा सामाजिक कलंक और इन्हेलर्स का उपयोग पूरे समाज में विस्तृत रूप से व्याप्त है। इसके अलावा, मरीज दवाईयों को नियमित रूप से नहीं लेता और जब उसके लक्षण प्रकट होते हैं, तभी दवाईयों का सेवन करता है। अस्थमा से जीतने के लिए जागरुकता, अस्थमा को स्वीकार किया जाना और अस्थमा के इलाज का नियम से पालन करना बहुत जरूरी है।'' डॉ. रवि दोसी, ने बताया, ''अस्थमा को एक कलंक माना जाता है, और कई मरीज इस बीमारी को छिपाया करते हैं। मरीज डॉक्टर के पास तभी जाता है, जब उसके लक्षण गंभीर हो जाते हैं और उन्हें सहन कर पाना मुश्किल हो जाता है, और उसके बाद ही वह लिखी गई दवाई लेना शुरू करता है। हमें मरीज को समझाना होगा कि लक्षण प्रकट न होने का मतलब यह नहीं कि मरीज को अस्थमा नहीं। अस्थमा के इलाज में यह सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। कई मरीज, जैसे ही बेहतर महसूस करना शुरू करते हैं, वो इन्हेलर का इस्तेमाल बंद कर देते हैं। इन्हेलर बंद कर देने से लक्षण और गंभीर बनकर प्रकट होते हैं, जिससे बीमारी और ज्यादा बिगड़ सकती है। साथ ही इन्हेलर नुकसानदायक होते हैं और इनकी लत पड़ जाती है, इस तरह की गलत धारणाएं इलाज का नियम से पालन करने में आने वाली बड़ी बाधाएं हैं। इस समस्याओं का सख्ती से समाधान किया जाना बहुत जरूरी है।'' मरीज को जरूरी है कि वह फिज़िशियन से समय पर परामर्श ले, ताकि उसे सही जानकारी मिल सके और उसके लक्षणों का निदान हो सके, जिससे समय पर सही इलाज शुरू हो। अस्थमा के इलाज के लिए समय पर निदान बहुत जरूरी है। अपने अस्थमा के लक्षणों को समझें और अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

मरीज और डॉक्टर के बीच की सबसे मजबूत कड़ी है नर्स, मेदांता ने नर्सिंग के योगदान की प्रशंसा कर, किया सम्मानित

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इलाज के दौरान डॉक्टर की सबसे बड़ी सहयोगी यदि कोई होती है, तो स्पष्ट तौर पर वह नर्स होती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि मरीजों के इलाज और उनकी स्वास्थ्य देखभाल में नर्स का बहुत बड़ा योगदान होता है। मरीज की हर एक छोटी से लेकर बड़ी बात का ध्यान रखना, उनकी डाइट, दवाई आदि का विशेष ख्याल रखना, ये सब एक नर्स की निगरानी में ही बेहतरी से संभव है। इसे गहनता से स्वीकार करते हुए इंदौर के अग्रणी हॉस्पिटल्स में से एक, मेदांता सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने सात दिन का इंटर्नल इवेंट (नेशनल नर्सेस वीक) मनाया, जिसमें कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस समारोह के समापन के दौरान मेदांता हॉस्पिटल के ग्रुप सीईओ, पंकज साहनी मौजूद रहे, जिनके मार्गदर्शन में पुरस्कार वितरण और कैक कटिंग की गई। वर्ष 2020 में आई कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा करने वाली नर्सेस के अभूतपूर्व योगदान के बारे में बताते हुए पंकज साहनी (ग्रुप सीईओ) कहते हैं, 'कोरोना से जंग लड़ने में तमाम नर्सेस ने फ्रंटलाइन वॉरियर्स की भूमिका निभाई है, जिसे दुनिया कभी नहीं भुला सकती। मेदांता की नर्सेस ने भी संक्रमण की परवाह किए बगैर जी-जान से मरीजों की सेवा की। मेरा ऐसा मानना है कि कोविड योद्धा कहलाने वाली नर्सेस असल जिंदगी में भी किसी योद्धा से कम नहीं हैं।' मेदांता सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के नर्सिंग हेड, जोबिन थॉमस, नर्सेस के योगदान के लिए कहते हैं, 'नर्सेस का मरीज की देखभाल करने में हमेशा से ही योगदान सराहनीय है। मेदांता की नर्सेस यहाँ की सबसे मजबूत टीम का अहम् हिस्सा हैं। हर वर्ष मनाया जाने वाला यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण सप्ताह है, क्योंकि इस सप्ताह पूरे देश में नर्सेस के महत्व, उनके अपार योगदान और उपलब्धियों के प्रति सम्मान जाहिर किया जाता है।'

फेसगो ऑन्कोलॉजी में दो मोनोक्लोचनल एंटीबॉडीज का

दुनिया का पहला फिक्स्ड डोज कांबिनेशन अब भारत में उपलब्ध

आईपीटी नेटवर्क

रॉश फार्मा ने आज भारत में फेसगो पेश करने की घोषणा की। यह दो मोनोक्लोनल एंटीबॉडी परजेटा और हर्सेप्टिन को हायलूरोनिडेस के साथ संयोजित करके तैयार किया गया ऑन्कोरलॉजी का अब तक का पहला फिक्स्ड डोज फॉर्मूलेशन है। इसे शुरुआती और मेटास्टेटिक एचईआर2-पॉजिटिव स्तन कैंसर के उपचार के लिए त्वचा के नीचे लगाए जाने वाले इंजेक्शन से इंट्रावेनस (आईवी) कीमोथेरेपी के मेल में दिया जाता है। रॉश ने पहली बार दो मोनोक्लोनल एंटीबॉडी को मिलाया है और इसे एक एकल एससी इंजेक्शन से लगाया जा सकता है इसे जांघ में त्वचा के नीचे एक अकले इंजेक्शन के रूप में लगाया जाता है उपचार के प्रत्येक दौर के लिए आईवी फॉर्मूलेशन के साथ घंटों की तुलना में इसे लगाने में कुछ मिनट लगते हैं इस प्रकार रोगियों के लिए इलाज का समय 90 प्रतिशत तक कम हो जाता है स्तन कैंसर की थेरैपी के लिए यह एक तेज़ अधिक सुविधाजनक और कम आक्रामक साधन प्रदान करता है फेसगो के माध्यम से तीव्र प्रबंधन भरोसा देता है और सभी के समय की बचत होती है, इसलिए अल्प अवधि के अपाइंटमेंट से काम चल जाता है और एचसीपीज को अधिक रोगियों के इलाज के लिए समय बचता है। बिस्तर क्षमता भी तेजी से मुक्त हो जाती है और स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को लागत बचत लाभ मिलता है।

इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए वी सिम्पसन इमैनुएल सीईओ और प्रबंध निदेशक रॉश फार्मा इंडिया ने कहा फेसगो एक महत्वनपूर्ण दवा है जो सुविधा प्रदान करेगी और स्तन कैंसर से पीड़ित रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेगी और इन-क्लिनिक समय को काफी कम कर देगी। मरीजों और उनकी देखभाल करने वालों को अब अस्पताल में कम समय बिताना होगा और उनके साथ बिताने के लिए ज्यादा समय होने की उम्मीद है जो सबसे ज्यादा पसंद हों। यह स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की दक्षता को भी बढ़ाएगा क्योंकि इसके लिए कम तैयारी और लगाने के लिए कम समय की आवश्यकता होती है दवा तेजी से दिये जा सकने से रोगियों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों दोनों के समय की बचत होती है और स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को लागत बचत लाभ होता है। फेसगो, हमारे उद्देश्य के प्रति रोश की प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण है जो अब मरीजों को आगे क्या चाहिएश् और स्तन कैंसर के उपचार के क्षेत्र में अग्रणी प्रयासों के रूप में है।

डॉ शोना नाग, निदेशक, ऑन्कोलॉजी विभाग, सह्याद्री ग्रुप ऑफ हॉस्पीटल, पुणे के अनुसार कैंसर का उपचार संसाधन गहन और समय लेने वाला है। मरीजों को कई बार अस्पताल जाना पड़ता है और लंबी इन्फ्यूजन प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है यह एक अस्पताल में रोगी उनकी देखभाल करने वालों और स्वास्थ्य कर्मचारियों पर भारी दबाव डालता है। फेसगो उपचार के दौरान एक मरीज और उनकी देखभाल करने वाले के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार कर सकता है और स्वास्थ्य पेशेवरों पर बोझ कम कर सकता है, जिससे वे अधिक रोगियों का इलाज कर सकते हैं

मानक देखभाल के लिए ड्राइविंग पहुंच फेसगो, डुअल इनोवेटर एफडीसी एचईआर2ऱ स्तन कैंसर के रोगियों के लिए देखभाल का सबसे अच्छा मानक प्रदान करता है, जो 20 प्रतिशत कम लागत पर, समय की जांच पर परखी कार्यकुशलता प्रदान करता है। विभिन्न आधुनिक उपचार विधियों को शामिल करने के लिए आईआरडीएआई के बीमा कवरेज के विस्तार के साथ, इम्यूनोथेरेपी इंजेक्शन के रूप में दिए जाने वाले मोनोक्लोनल एंटीबॉडी अब सभी बीमाकर्ताओं द्वारा कवर किए गए हैं। यह, रोश के रोगी सहायता कार्यक्रम के माध्यम से समर्थन के साथ-साथ भारत में स्तन कैंसर के रोगियों के लिए देखभाल उपचार के मानक तक पहुंच बनाने में मदद करेगा। इसके अलावा, कोविड महामारी के दौरान , इलाज में देरी के कारण कैंसर के रोगी काफी प्रभावित हुए थे। फेसगो काफी कम एडमिस्ट्रेशन समय और चमड़े के नीचे लगाने की सुविधा के कारण स्तन कैंसर के रोगियों को अपना उपचार जारी रखने में मदद कर सकता है। संभावना है कि इससे स्तन कैंसर का उपचार ऑन्कोलॉजी वार्ड से डेकेयर और ओपीडी सेटिंग्स में स्थानांतरित हो जाए।

एनएचएआई परिसंपत्ति मौद्रिकरण का लक्ष्य पाने को लेकर आशावादी है: अध्यक्ष

कोलकाता। एजेंसी

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने उम्मीद जताई है कि आर्थिक अनिश्चितताओं और भूराजनीतिक अस्थिरता के बावजूद चालू वित्त वर्ष में उसका परिसंपत्ति मौद्रिकरण का 20,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य पूरा हो जाएगा। एनएचएआई की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि मौद्रिकरण की राशि एनएचएआई अवसंरचना निवेश न्यास या इनविट और टोल ऑपरेट ट्रांसफर या टीओटी के जरिए जुटाई जाएगी। पिछले वित्त वर्ष में एनएचएआई ने पांच परियोजनाओं के लिए 8,000 करोड़ रुपये का मौद्रिकरण जुटाया था। एनएचएआई की अध्यक्ष अल्का उपाध्याय ने कहा, ''निवेशकों के बीच मजबूत मांग बनी हुई है ऐसे में चालू वित्त वर्ष में 20,000 करोड़ रुपये की परिसंपत्ति मौद्रिकरण योजना को लेकर हम आशावादी हैं।'' उपाध्याय ने बताया कि भारतमाला परियोजना भारत में आज तक का सबसे बड़ा राजमार्ग अवसंरचना कार्यक्रम है जिसके तहत 5.35 लाख करोड़ रुपये के निवेश से 34,800 किलोमीटर के राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारों का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''एनएचएआई 2025 तक 30,000-31,000 किलोमीटर के ठेके दे देगा।''

ज्येष्ठ मास 17 मई से 14 जून तकः इस पवित्र महीने रहेंगे शनि जयंती, गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी जैसे बड़े पर्व

17 मई मंगलवार से ज्येष्ठ महीना शुरू हो गया है। जो कि 14 जून तक रहेगा। इस महीने गर्मी का मौसम अपने चरम पर रहता है। इसलिए ज्येष्ठ मास में जल की पूजा करने की विशेष परंपरा है। साथ ही पानी बचाने की कोशिश की जाती है। प्राचीन समय में ऋषियों ने पानी से जुड़े दो बड़े व्रत और त्योहार की व्यवस्था भी इसी महीने में की है। इसके अलावा ऋषियों ने पर्यावरण का ध्यान रखते हुए और भी व्रत और त्योहार बताए हैं, जिनमें पेड़-पौधों की पूजा की जाती है। इस बार तिथियों की घट-बढ़ के कारण ये महीना 29 दिनों का ही रहेगा।

ज्येष्ठ महीने में आने वाले तीज-त्योहार...

संकष्टी चतुर्थीः ज्येष्ठ माह के कृष्णपक्ष की चतुर्थी तिथि पर भगवान गणेश जी की पूजा के लिए ये व्रत किया जाता है। ये व्रत 19 मई को किया जाएगा। संकष्टी चतुर्थी व्रत करने से हर तरह की परेशानियां दूर हो जाती हैं।

अपरा एकादशीः ज्येष्ठ महीने के कृष्णपक्ष की एकादशी को अपरा एकादशी या अचला एकादशी भी कहा जाता है। अपरा एकादशी के दिन तुलसी, चंदन, कपूर, गंगाजल सहित भगवान विष्णु की पूजा की जानी चाहिए। कहीं-कहीं बलराम-कृष्ण का भी पूजन करते हैं। इस व्रत के करने से ब्रह्महत्या, परनिन्दा, भूतयोनि जैसे कर्मों से छुटकारा मिल जाता है। इसके प्रभाव से कीर्ति, पुण्य तथा धन की वृद्धि होती है।

रुद्र व्रतः यह व्रत ज्येष्ठ महीने के दोनों पक्षों की अष्टमी और दोनों चतुर्दशी तिथि पर किया जाता है। इस दिन गौ दान करने का महत्व है। संभव न हो तो गाय की पूजा करके उसे दिनभर का घास, चारा और खाने की चीजें दें। इस व्रत को एक साल तक एकभुक्त होकर करना चहिए। यानी सालभर तक हर महीने की अष्टमी और चतुर्दशी तिथि को किय जाता है। इस व्रत के आखिरी में सोने का बैल या गाय के वजन जितने तिल का दान करना चाहिए। इस व्रत को करने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। चिन्ताओं से मुक्ति मिलती है और शिवलोक प्राप्त होता है।

शनि जयंतीः ज्येष्ठ महीने की अमावस्या तिथि को शनि जयंती के रूप में मनाया जाता है। ग्रंथों के अनुसार इस दिन शनि देव का जन्म हुआ था। शनि जयंती पर व्रत और शनि पूजा करने से कुंडली में शनि दोष खत्म हो जाते हैं। इसके अलावा हर तरह की परेशानियां इस व्रत से दूर होती है। 30 मई को ये पर्व मनाया जाएगा।

वट सावित्रि व्रतः ज्येष्ठ महीने की अमावस्या तिथि वट सावित्रि व्रत भी किया जाता है। इस व्रत पर बरगद के पेड़ की पूजा और परिक्रमा की जाती है। पूजा के बाद सत्यवान और सवित्रि की कथा सुनाई जाती है। इस व्रत को करने से पति की उम्र बढ़ती है और परिवार में समृद्धि बढ़ती है। ये भी 30 मई को किया जाएगा।

रम्भा तृतीयाः ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की तृतीया पर रम्भातृतीया व्रत किया जाता है। इस दिन देवी पार्वती की पूजा की जाती है। ये व्रत एक साल तक किया जा सकता है। रम्भा तृतीया व्रत खासतौर से महिलाओं के लिए ही होता है। इस व्रत को करने से सौभाग्य प्राप्त होता है। रंभा ने इसे सौभाग्य प्राप्ति के लिए ही किया था। इसलिए इसे रम्भा तृतीया कहा गया है। 2 जून को ये व्रत होगा।

गंगा दशहराः गंगा दशहरा एक प्रमुख त्योहार है। ज्येष्ठ महीने के शुक्लपक्ष की दशमी को ये व्रत किया जाता है। इस दिन गंगा स्नान और विशेष पूजा की जाती है। इसके साथ ही इस दिन दान का भी महत्व है। ऐसा करने वाला महापातकों के बराबर के दस पापों से छूट जाता है। 9 जून को ये व्रत होगा।

निर्जला एकादशीः हिन्दू कैलेंडर के ज्येष्ठ महीने के शुक्लपक्ष की एकादशी तिथि को निर्जला एकादशी का व्रत किया जाता है। यह व्रत बिना पानी पीए किया जाता है। इसलिए यह व्रत कठिन तप और साधना के समान महत्त्व रखता है। इस व्रत को करने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। निर्जला एकादशी का व्रत करने सालभर की सभी एकादशी का फल मिलता है। 10 जून को ये महाव्रत किया जाएगा।

ज्येष्ठ पूर्णिमाः इस महीने की पूर्णिमा का व्रत और दान करने से सौभाग्य प्राप्त होता है। इस पूर्णिमा पर व्रत करने से संतान सुख भी मिलता है। इस बार ये पर्व 14 जून को मनाया जाएगा। इसे वट पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन भी सत्यवान और सवित्रि की पूजा की जाती है और बरगद की पूजा की जाती है।

ज्येष्ठ मास में कर सकते हैं ये शुभ काम

■इस महीने में बाल गोपाल का शीतल जल से भगवान अभिषेक करना चाहिए। माखन-मिश्री का भोग तुलसी के पत्तों के साथ लगाएं। साथ ही, भगवान को चंदन लेप भी करना चाहिए। ■शिवलिंग पर शीतल जल चढ़ाएं। चांदी के लोटे से शिवलिंग पर दूध चढ़ाएं। बिल्व पत्र, आंकड़ा, धतूरा, शहद आदि चीजें भगवान को अर्पित करें। धूप-दीप जलाकर आरती करें। ■जरूरतमंद लोगों को वस्त्रों का, छाते का और अन्न और धन का दान करना चाहिए। किसी गौशाला में हरी घास और गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। किसी प्याऊ में मटके का दान करें। आप चाहें तो किसी सार्वजनिक स्थान पर प्याऊ भी लगवा सकते हैं।

हिन्दी पंचांग के तीसरे महीने का नाम ज्येष्ठ क्यों?

हिन्दी पंचांग में महीनों के नाम पूर्णिमा तिथि पर आने वाले नक्षत्र के नाम पर रखे गए हैं। पूर्णिमा महीने की अंतिम तिथि होती है।

हिन्दी पंचांग के तीसरे महीने की पूर्णिमा पर ज्येष्ठा नक्षत्र रहता है। इसी नक्षत्र की वजह से इसे ज्येष्ठ माह कहते हैं। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर कबीरदास जी की जयंती मनाई जाती है।

इसी महीने में रहता है नौतपा

ज्येष्ठ महीने में ही नौतपा रहता है। इस बार 25 मई से नौतपा शुरू हो रहा है।

जब सूर्य ग्रह रोहिणी नक्षत्र में आता है, तब नौतपा शुरू हो जाता है। नौतपा 2 जून तक रहेगा।

मानसिक रोग और कर्ज से परेशान लोगों के लिए विशेष फलदायी है यह व्रत

भगवान शिव को समर्पित प्रदोष व्रत प्रत्येक माह में कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को होता है। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए यह व्रत अति कल्याणकारी है। यह तिथि भगवान शिव को अति प्रिय है। इस व्रत में भगवान शिव की पूजा करने से जीवन सुखमय होता है और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। जब त्रयोदशी तिथि शुक्रवार को आती है तो उसे शुक्र प्रदोष व्रत कहा जाता है। प्रदोष व्रत में ऊं नमः शिवाय का जाप करते रहें। प्रदोष व्रत उन लोगों को विशेष रूप से करना चाहिए, जो कर्ज में डूबे हुए हैं या जो अपनी भूमि, भवन, संपत्ति खरीदना चाहते हैं। प्रदोष व्रत में शिव स्तोत्र का पाठ करें। केसर का तिलक मस्तक, कंठ और नाभि में लगाएं। प्रदोष व्रत के दिन पीपल के पेड़ की 108 परिक्रमा करते हुए जल अर्पित करें। प्रदोष तिथि को भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के लिए बेहद फलदायी माना जाता है। प्रदोष व्रत की पूजा प्रदोष काल संध्या के समय सूर्यास्त से लगभग 45 मिनट पहले आरंभ कर दी जाती है। इस व्रत को करने से दीर्घ आयु का वरदान प्राप्त होता है। मानसिक रोग हों या स्वास्थ्य से कमज़ोर लोगों के लिए इस दिन भगवान शिव की उपासना शुभ फलदायक है। इस दिन प्रातः काल जल्दी उठकर स्नान के बाद भक्ति भाव और विधि-विधान से भगवान शिव का पूजन करें। इस व्रत को धारण करने से किसी तरह का कोई भय नहीं रहता। प्रदोष के दिन परिवार में सुख संपत्ति के लिए अपने घर में शिव परिवार का चित्र लगाएं। भगवान शिव की पूजा-आराधना से घर या प्रतिष्ठान में मौजूद वास्तुदोषों का शमन होता है। इस व्रत में शिव चालीसा का पाठ अवश्य करें।

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

क्या होता है मुहूर्त ? जानिए इनके प्रकार और महत्व

प्राचीन काल में मुहूर्त शब्द का प्रयोग थोड़ी देर या दो घटिका (48 मिनट) के अर्थ में होता था। आगे चलकर इन मुहूर्तों में से कुछ शुभ व अशुभ मान लिए गए। इस तरह मुहूर्त का एक नया अर्थ सामने आया- 'वह काल, जो किसी शुभ कार्य के योग्य हो।' अथर्व ज्योतिष में प्रातःकाल के सूर्य के बिम्ब को आधार मानते हुए 15 मुहूर्तों के नाम प्राप्त होते हैं। मुहूर्त में किए जाने वाले शुभाशुभ कर्मों का भी निर्धारण वैदिक काल में ही निश्चित कर दिया गया था, जो इस प्रकार है-

रौद्र : यह पहला मुहूर्त है। यह रुद्र से सम्बंधित कार्य हेतु उपयोगी है।

श्वेत : इस मुहूर्त में गृहप्रवेश, गृहनिर्माण, आदि कार्य होते हैं।

मैत्र : इस मुहूर्त में सगाई व प्रणय निवेदन आदि कार्य किए जाने चाहिए।

सारभट्ट : शत्रुनाश हेतु कार्य इस मुहूर्त में फलदायी होते हैं।

सावित्र : इसमें यज्ञ, विवाह, जनेऊ आदि देव कार्य करना चाहिए।

वैराज : इसमें शासक को पराक्रम सम्बंधी कर्म प्रारम्भ करना चाहिए।

विश्वावसु : यह मुहूर्त सभी प्रकार के उत्तम शुभ कार्यों के योग्य है।

अभिजीत : दिन के मध्य में पड़ने वाला यह मुहूर्त सभी व्यावहारिक कार्यों हेतु उत्तम है। यह मध्य दिन में ही नहीं, रात्रि के मध्य में भी होता है। स्वतंत्रता के समय यही रात्रिकालीन मुहूर्त था, जिसके कारण भारत-पाकिस्तान के बीच आज तक मनमुटाव चला आ रहा है। यदि यह दिन के अभिजीत मुहूर्त में होता, तो आज स्थितियां अलग ही होतीं।

बल : इसमें शत्रुओं पर विजय, सम्पत्ति प्राप्त करने जैसे कार्य प्रशस्त होते हैं और यह मुहूर्त सफलता प्रदान करने वाला है।

विजय : इसमें मंगल कार्य, मुकदमा दायर करना उत्तम माना जाता है।

नैऋत : शत्रु राष्ट्रों पर हमला, आतंकवादियों के दमन की कार्यवाही करने से शत्रु का नाश होता है।

वरुण : इसमें जलीय खाद्य पदार्थों की बुवाई उत्तम फल देती है।

सौम्य : इस मुहूर्त में सौम्य, शुभ व मांगलिक कार्य करने चाहिए।

भग : भाग्य के देवता को भग कहते हैं, जो 'ऐश्वर्य' का सूचक माना जाता है। यह मुहूर्त सुख-सौभाग्य और ऐश्वर्यवर्द्धक होता है।

हायर इंडिया ने नई 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया' वाशिंग मशीन सीरीज लॉन्च की

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

दुनिया में होम अप्लायंसेज एवं कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रमुख कंपनी और लगातार 13 वर्षों से प्रमुख अप्लायंसेज बनाने वाले विश्व के नंबर 1 ब्रांड, हायर ने आज दो नई एआई-एनेबल्ड विशेष वाशिंग मशीन सीरीज करने की घोषणा की - एडवान्स्ड सुपर साइलेंट डायरेक्ट मोशन मोटर एवं 525 मिमी सुपर ड्रम वाली हायर 959 फ्रंट लोड वाशिंग मशीन, और इन-बिल्ट हीटर तकनीक के साथ नई टॉप लोड वाशिंग मशीन जो लगभग 99.9% कीटाणुओं को समाप्त करते हुए 106 प्रकार के सबसे कठिन दागों को हटाती है, और वर्तमान समय में स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती है। हायर के 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया' मिशन को आगे बढ़ाते हुए, कंपनी ने भविष्य के लिए तैयार स्मार्ट होम, एआई और आईओटी-एनेबल्ड लॉन्ड्री सॉल्यूशंस प्रदर्शित किए जो नए दौर की तकनीकों के साथ प्रीमियम वॉश और फैब्रिक केयर प्रदान करते हैं। नई वाशिंग मशीन में हायर की एडवान्स्ड एकीकृत डायरेक्ट मोशन मोटर है जो कंपन और शोर के स्तर को काफी कम करती है और वॉशिंग मशीन की उम्र भी बढ़ाती है। भविष्य के लिए तैयार की गई इस वाशिंग मशीन में बेहतर लॉन्ड्री एक्सपीरियंस के लिए आईओटी-एनेबल्ड फीचर्स के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शामिल हैं। इसके अलावा, एआई-डीबीएस (डायनेमिक बैलेंस सिस्टम) वाला अपग्रेडेड सॉफ्टवेयर सुनिश्चित करता है कि वॉशिंग मशीन पूरे धुलाई चक्र के दौरान स्थिर और शांत रहे। आधुनिक घरों में जगह की कमी को ध्यान में रखते हुए, हायर की नई वाशिंग मशीन को रीडिजाइन करके पतली बॉडी का बनाया गया है जिसे आसानी से किचन, वाशरूम या बालकनी में रखा जा सकता है। नई 959 सीरीज की वाशिंग मशीन में, हायर ने एक 6-स्टेप आईरिफ्रेश फीचर पेश किया है जो धूल को धीरे-धीरे हटाता है, बारीक मिस्ट बनाता है और उपयुक्त देखभाल के लिए पानी रहित वॉश प्रदान करते हुए मुलायम एवं फाइन कपड़ों की आरामदायक धुलाई करता है। यह नया फीचर सलवटों को कम करते हुए कपड़ों से हर तरह की दुर्गंध को भी दूर करता है।

वाशिंग मशीन की नई रेंज के लॉन्च के अवसर पर, श्री सतीश एनएस, प्रेसिडेंट, हायर अप्लायंसेज इंडिया ने कहा कि 'हायर में, हम अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों और उभरती प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए समर्पित हैं। आज की भागदौड़ वाली जीवन शैली में, उपभोक्ता ऐसे इनोवेटिव सॉल्यूशन चाहते हैं जो सेहत एवं स्वच्छता सुनिश्चित करते हुए उनकी जिन्दगी को आसान और सुविधाजनक बनाएं। हमारी नई 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया' वाशिंग मशीन सीरीज के लॉन्च के साथ, हम उपभोक्ताओं को इंडस्ट्री-फर्स्ट टेक्नोलॉजी और समग्र वाशिंग एक्सपीरियंस प्रदान करने के लिए सबसे खास आधुनिक फीचर्स पेश कर रहे हैं।

लक्ज़री डिज़ाइनर स्पेस बनाने के लिए बीएनके ग्रुप का नीलम कोठारी सोनी के साथ सहयोग

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इंटीरियर और आर्किटेक्चर डिज़ाइन के क्षेत्र में चर्चित भारतीय कंपनी, बीएनके ग्रुप प्रसिद्ध भारतीय ज्वैलरी डिज़ाइनर एवं एक्ट्रेस नीलम कोठारी सोनी के साथ मिलकर अपनी नई कंपनी लिंक बीएनके लॉन्च करने जा रहा है, जो सेलिब्रिटी डिज़ाइन स्पेस को प्रदर्शित करती है। बेहज़ाद खरस द्वारा संचालित बीएनके ग्रुप ने नीलम कोठारी सोनी के साथ सहयोग किया है, जो किसी स्पेस को डिज़ाइन करने के लिए सौंदर्य से संबंधित अपनी विशेषज्ञता, अनुभव और खास नज़र प्रदान करती हैं। लक्ज़री लिविंग में उच्चतम मानकों को हासिल करने के उत्साह के साथ, बीएनके ग्रुप के कार्यक्षेत्र में देश भर में सबसे खास लोगों के भव्य आवासों से लेकर जटिल वास्तुकला और लक्ज़री हॉस्पिटैलिटी स्पेस तक शामिल है। मुंबई के ब्यूमोंडे से लेकर लोनावाला में वीकेंड रिट्रीट तक लक्ज़री घर बनाना, नवी मुंबई में ताज विवांता के साथ हॉस्पिटैलिटी से लेकर मुंबई में लूना नुडो, लूना गुस्ता और ओपा किपोस जैसे बेहद फैशनेबल रेस्तरा को नया रूप देते हुए, बीएनके ग्रुप जीवन में सुरुचिपूर्ण रंग भरने के लिए प्रतिबद्ध है।

बीएनके ग्रुप और नीलम ने साथ मिलकर महामारी के दौरान वन अविघ्ना में अपनी पहला रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट शुरू किया, जो लक्ज़री पसंद करने वाले पारखी लोगों के लिए बीस्पोक लिविंग एक्सपीरियंस प्रदान करता है और उच्च स्तरीय आत्मविश्वास से भरपूर और बेहद खास अनुभव देती है।

स्पेस डिज़ाइन करते समय, नीलम और बेहज़ाद के लिए ग्राहक की समझ को जानना बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि वे प्रोजेक्ट में अपना अनूठा योगदान दे सकें। नीलम कोठारी कहती हैं, 'यह सहयोग मेरे डिज़ाइन सौंदर्यशास्त्र का बीएनके ग्रुप के समकालीन वास्तुकला के साथ एक सहज मिश्रण है। इस लक्ज़री आवास को एक घर में बदलना, एक टीम के रूप में हमारे लिए कड़ी मेहनत का काम और संतुष्टिदायक अनुभव रहा है।' बेहज़ाद खरस कहते हैं, 'हमारे डिज़ाइन की खूबसूरती, कल्पना और हमारी कड़ी मेहनत के मिलने से एक खूबसूरत स्पेस तैयार होता है, और जब किसी काम को दिल और दिमाग के साथ किया जाता है, तो नतीजे साफ तौर पर दिखाई देते हैं।' इस प्रोजेक्ट को नीलम कोठारी के नेटफ्लिक्स शो, द फैब्युलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स, के आगामी सीज़न में भी दिखाया जाएगा, जिसमें उनके पहले इंटीरियर प्रोजेक्ट की शूटिंग के दौरान उनकी उपलब्धियाँ प्रदर्शित होंगी।

जियो फोन नेक्स्ट का लिमिटेड पीरियड धमाका 'एक्सचेंज टू अपग्रेड'

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

रिलायंस रिटेल ने जियोफोन नेक्स्ट के लिए लिमिटेड पीरियड एक्सचेंज टू अपग्रेड ऑफर लॉन्च किया है। ऑफर के अनुसार, ग्राहक अपने एक चालू हालत के 4जी फीचरफोन या स्मार्टफोन को केवल 4,499 रुपये में एक नए जियोफोन नेक्स्ट से बदल सकते हैं। जियो फोन नेक्स्ट 'एक्सचेंज टू अपग्रेड' ऑफर ग्राहकों को सही मायने में स्मार्ट डिजिटल लाइफ अपनाने का मौका देता है। इस ऑफर के साथ मौजूदा 4उ फीचर फोन और स्मार्टफोन यूजर्स अब जियोफोन नैक्सट द्वारा 4उ व्द डिजिटल लाइफ का पूरा आनंद ले पाएंगे। 4जी फीचर फोन के मौजूदा उपयोगकर्ता अब दुनिया के सबसे किफायती 4जी स्मार्टफोन पर बड़ी स्क्रीन वाले डिजिटल अनुभव को ज्यादा आसानी से माइग्रेट करने में सक्षम होंगे। इसी तरह वर्तमान 4जी लो-एंड स्मार्टफोन उपयोगकर्ता भी जियोफोन नेक्स्ट द्वारा एक सहज और उन्नत डिजिटल लाइफ ऑफर में अपग्रेड कर सकते हैं, जो प्रगति ओएस पर चलता है। एंड्रॉइड के ओप्टीमाइसड वर्जन होने से उपयोगकर्ता बिना किसी परेशानी के सभी एपप्लीकेशन्स का प्रयोग कर नया अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। यह ऑफर रिलायंस रिटेल के जियोमार्ट डिजिटल और रिलायंस डिजिटल स्टोर्स के व्यापक फैले हुए नेटवर्क के माध्यम से देश के दूर-दराज के कोनों में उपलब्ध है, जो इसे भौगोलिक और आर्थिक रूप से सभी भारतीयों के लिए सुलभ बनाता है।

इंडिगो ने पीटर एल्बर्स को नया सीईओ नियुक्त किया, दत्ता 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होंगे

मुंबई। एजेंसी

इंडिगो ने पीटर एल्बर्स को अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। वह वर्तमान सीईओ रोनोजॉय दत्ता की जगह लेंगे, जो 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होंगे। किफायती सेवाएं देने वाली इंडिगो ने बुधवार को एक बयान में कहा कि 71 वर्षीय दत्ता ने कोविड-19 संकट के दौरान एयरलाइन का मार्गदर्शन करने बाद सेवानिवृत्त होने का निर्णय लिया है। वह जनवरी, 2019 में कंपनी का परिचालन करने के लिए जुड़े थे। कंपनी ने बताया कि एल्बर्स की नियुक्ति को अभी नियामकीय मंजूरी मिलनी बाकी है। उनकी नियुक्ति एक अक्टूबर, 2022 या उससे पहले प्रभावी होगी। घरेलू विमानन कंपनी ने बताया कि वर्ष 2014 से एल्बर्स ने केएलएम रॉयल डच एयरलाइन के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी निदेशक के रूप में भी काम किया है। वह एयर फ्रांस-केएलएम ग्रुप की कार्यकारी समिति के सदस्य भी हैं। इंडिगो के प्रबंध निदेशक एवं सह-प्रवर्तक राहुल भाटिया ने कहा, ''हम सीईओ के तौर पर पीटर एल्बर्स की नियुक्ति की घोषणा करने पर बेहद उत्साहित है। हमें पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में कंपनी वृद्धि के इस अवसर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।''

भारत के डेयरी क्षेत्र को ऐसे मिलेगी दुनिया में पहचान, क्या हो रहा है जानें

नई दिल्ली। एजेंसी

डेयरी उत्पादन में भारत बहुत आगे निकल गया है। लेकिन, अभी तक वैश्विक मंच पर भारतीय डेयरी उद्योग की वह पहचान नहीं बन पाई है, जो मिलना चाहिए। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। भारतीय डेयरी उद्योग को पहचान दिलाने के लिए भारत में वर्ल्ड डेयरी समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 40 से भी ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

48 साल बाद होगा आयोजन

भारत सरकार के फिशरीज, एनिमल हस्बैंडरी एंड डेयरी राज्य मंत्री संजीव बाल्यान के मुताबिक 48 साल बाद वर्ल्ड डेयरी सम्मिट का आयोजन यहां किया जाएगा। आगामी 12 से 15 सितंबर के बीच आयोजित होने वाले डेयरी क्षेत्र के इस वैश्विक सम्मेलन में 40 से भी जादा देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उददेश्य देश में डेयरी उद्योग के विकास में वैश्विक पेशेवरों की दक्षता का लाभ लेना और भारतीय डेयरी उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करना भी है।

भारत में तेजी से बढ़ रहा है डेयरी क्षेत्र

उन्होंने कहा कि दुनिया में डेयरी क्षेत्र में विकास दर 2 प्रतिशत है। जबकि भारत में यह दर 6 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत में इस क्षेत्र में विकास दर और बढ़ेगी। उन्होंने कह कि इस समय भारत दुनिया में दुग्ध उत्पादन में नंबर एक पर है। भारत में हर साल 21 करोड़ टन दूध का उत्पादन होता है। दुनिया में दूध की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 310 ग्राम प्रतिदिन है, भारत में 427 ग्राम प्रति दिन है।

आठ करोड़ किसान जुड़े हैं

नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन और आइडीएफ के इंडियन नेशनल कमेटी के सदस्य सचिव मीनेश शाह का कहना है कि डेयरी उद्योग भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इससे आठ करोड़ किसान जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ ही ग्रामीण स्तर पर लाखों रोजगार भी सृजित करता है। ऐसे में यह समझा जा सकता है कि वर्ल्ड डेयरी समिट भारत के लिए कितना अहम है।

लाखों लोगों को मिला है रोजगार

शाह के मुताबिक न केवल किसान बल्कि भूमिहीन किसान भी दुग्ध क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। दूध के काम से लाखों लोगों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है।

एमेज़ॉन ने 11.6 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन किया

लगभग 5 बिलियन डॉलर का निर्यात और भारत में 40 लाख से ज्यादा एमएसएमई डिजिटाईज़

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

पिछले एक साल में एमेज़ॉन ने विभिन्न उद्योगों में 1,35,000 से ज्यादा नई नौकरियों का सृजन किया; 2025 तक 20 लाख प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन करने की ओर अग्रसर। एमेज़ॉन ने निर्यात का संकल्प बढ़ाकर दोगुना किया, अब 2025 तक भारत से संचित रूप से 20 बिलियन डॉलर का निर्यात संभव बनाने का लक्ष्य। एमेज़ॉन इंडिया ने भारत के लिए अपने मुख्य संकल्पों की प्रगति साझा करते हुए घोषणा की कि एमेज़ॉन ने भारत में 11.6 लाख (1.16 मिलियन) प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन किया है, संचित रूप से लगभग 5 बिलियन डॉलर का निर्यात संभव बनाया है और 40 लाख (4 मिलियन) से ज्यादा एसएमई को डिजिटाईज़ किया है। जनवरी 2020 में इसके वार्षिक कार्यक्रम, एमेज़ॉन संभव के पहले संस्करण में, कंपनी ने भारत में साल 2025 तक 1 करोड़ (10 मिलियन) एसएमई को डिजिटाईज़ करने, संचित रूप से 10 बिलियन डॉलर का निर्यात संभव बनाने और 20 लाख (2 मिलियन) नौकरियों का सृजन करने का संकल्प लिया था। एमेज़ॉन सफलतापूर्वक अपने इन संकल्पों को पूरा करने की ओर अग्रसर है, तथा इसने भारत से निर्यात की

अपने संकल्प को दोगुना कर अब 2025 तक संचित रूप से 20 बिलियन डॉलर का निर्यात करने का लक्ष्य बना लिया है। पिछले साल एमेज़ॉन संभव 2021 में एमेज़ॉन ने टेक्नॉलॉजी के इनोवेशन पर केंद्रित स्टार्टअप्स एवं उद्यमियों के लिए 250 श्श डॉलर के एमेज़ॉन संभव वेंचर फंड की घोषणा की थी। इस फंड का उद्देश्य एसएमबी डिजिटाईज़ेशन के क्षेत्र में अभिनव काम कर रहे उद्यमियों और स्टार्टअप्स का सहयोग करना था। इस फंड के तहत, एमेज़ॉन ने "माईग्लैम", "एम1एक्सचेंज" और "स्मॉल केस" में निवेश किया। एमेज़ॉन अपने लोगों एवं तकनीकी संसाधनों का सदुपयोग कर फंड के फोकस के क्षेत्रों में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिनमें नए व उभरते हुए वो क्षेत्र भी शामिल हैं, जिनमें उच्च स्तर का इनोवेशन व उद्यमियों की अपार ऊर्जा दिखाई दे रहे हैं। मनीष तिवारी, कंट्री मैनेजर, इंडिया कंज़्यूमर बिज़नेस, एमेज़ॉन इंडिया ने कहा, "साल, 2013 में एमेज़ॉन.इन की शुरुआत के बाद से हम संचित रूप से 11.6 लाख से ज्यादा नौकरियां प्रदान कर चुके हैं, और लगभग 5 बिलियन डॉलर का निर्यात संभव बना भारत में 40 लाख से ज्यादा एसएमई को डिजिटाईज़ कर चुके हैं। हम भारत में एसएमई के साथ काम करना जारी रखते हुए, नए टूल्स, टेक्नॉलॉजी एवं इनोवेशन प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे भारतीय व्यवसायों की उद्यमिता का विकास होगा, देश से निर्यात बढ़ेगा और विशाल स्तर पर नौकरियों का सृजन करने में मदद मिलेगी। हमारा दृढ़ विश्वास है कि टेक्नॉलॉजी और मोबाईल इंटरनेट भारत की आर्थिक प्रगति में योगदान देते रहेंगे और एमेज़ॉन देश में डिजिटल परिवर्तन लाने और एक आधुनिक एवं विकसित होती डिजिटल अर्थव्यवस्था स्थापित करने में एक बड़ी भूमिका निभाएगा।"

रिजर्व बैंक ने बैंकिंग लाइसेंस के छह आवेदनों को किया खारिज

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों के गठन के छह आवेदनों को खारिज कर दिया है। इनमें लघु वित्त बैंकों की स्थापना से संबंधित आवेदन भी हैं। रिजर्व बैंक ने मंगलवार को बयान में कहा कि इन आवेदनों को 'उपयुक्त' नहीं पाए जाने के बाद खारिज कर दिया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा, "इन आवेदनों की पड़ताल की प्रक्रिया निर्धारित मानदंडों के तहत पूरी कर ली गई है। इस दौरान यह पाया गया कि ये आवेदन बैंकों की स्थापना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी देने के लायक नहीं हैं।" बैंक श्रेणी में अनुपयुक्त पाए गए आवेदन यूएई एक्सचेंज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड, रिपेट्रिएट्स कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट बैंक लिमिटेड, चैतन्य इंडिया फिन क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड और पंकज वैश्य एवं अन्य के थे। वहीं लघु वित्त बैंक श्रेणी में वीसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और कालीकट सिटी सर्विस कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के आवेदन अनुपयुक्त पाए गए हैं। आरबीआई को बैंक एवं लघु वित्त बैंक श्रेणी के तहत कुल 11 आवेदन मिले थे। इस तरह पांच आवेदन अभी भी लाइसेंस प्रक्रिया का हिस्सा बने हुए हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि शेष आवेदनों की अभी जांच की जा रही है। बचे हुए आवेदन लघु वित्त बैंकों की स्थापना से संबंधित हैं। वेस्ट एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, अखिल कुमार गुप्ता, द्वारा क्षेत्रीय ग्रामीण फाइनेंस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, कॉस्मी फाइनेंशियल होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड और टेली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने ये आवेदन किए हुए हैं।

गरीब एवं असहाय लोगों के लिए मसीहा बन रही संस्था दानपात्र

4 वर्षों में पहुंचाई 15 लाख से ज्यादा जरूरतमंद परिवारों तक मदद

इंदौर की संस्था 'दानपात्र' द्वारा टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर दानपात्र ऐप के माध्यम से घर के पुराने सामान को कलेक्ट कर उपयोग लायक बनाया जा रहा युवाओं की ये टीम पहुंचा चुकी अब तक लाखों बेसहारा परिवारों तक मदद साथ ही 'वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड' के साथ साथ दो बार 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड' में भी 'दानपात्र' का नाम दर्ज किया गया है

'दानपात्र' क्या है कैसे हुई इसकी शुरुआत ?

'दानपात्र' एक ऑनलाइन निःशुल्क ऐप है जिसकी मदद से घरों में उपयोग में न आ रहे सामान जैसे कपड़े, खिलोने, किताबें, जूते, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स , फर्नीचर एवं अन्य सामान को कलेक्ट कर उपयोग लायक बना जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचाया जाता है इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत 10 मार्च 2018 में की गयी थी जिससे अब तक सेवा कार्य कर 15 लाख से ज्यादा जरूरतमंद परिवारों तक मदद पहुंचाई जा चुकी है एवं लगभग 1.5 लाख से ज्यादा इंदौरवासी इस प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके है इस प्लेटफॉर्म से 7 हजार से ज्यादा वालंटियर्स जुड़े हुए है जो अपना समय देकर सहयोग करते है 'दानपात्र' की पारदर्शिता से कार्य करने की वजह से इंदौर के साथ साथ विदेशों से भी लोग सामान डोनेट कर रहे है 'दानपात्र' के माध्यम से कोई भी व्यक्ति घर बैठे सिर्फ एक फ़ोन कॉल पर या 'दानपात्र' ऐप में रिक्वेस्ट डालने पर सामान डोनेट कर सकता है 'दानपात्र' टीम के सदस्यों द्वारा रिक्वेस्ट मिलने पर घर जाकर वह सामान कलेक्ट किया जाता है और फिर उसे फ़िल्टर कर जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचाया जाता है साथ ही उसका फोटो, वीडियो 'दानपात्र' के सोशल मीडिया पेजेस पर जाकर अपलोड कर दिया जाता है जिससे जिसने भी सामान डोनेट किया है वह देख सकें की उसका दिया सामान किस जरूरतमंद परिवार तक पहुंचा है। 'दानपात्र' देने वाले और लेने वालों के बिच सेतु बनकर दोनों की ही मदद कर रहा है इससे घरों में उपयोग में न आ रहे सामान को फेंकने से बचा कर जरूरतमंद परिवारो तक पहुँचाकर उनकी मदद की जा रही है जिससे समाज में कई सकारात्मक बदलाव आ रहे है। संस्था के सदस्यों द्वारा कोरोनाकाल में भी बिना रुके सतत कार्य कर लगभग 50 हजार से ज्यादा जरूरतमंद परिवारों तक राशन किट एवं अन्य जरुरत का सामान पहुंचाकर उनकी मदद की गयी। टीम से जुड़े वालंटियर्स का कहना है की हमारे लिए यह बहुत जरूरी है कि हम समाज से कुछ ले रहे हैं तो उसके बदले में उसे क्या लौटा रहे हैं। और इस तरह का प्लेटफॉर्म मिलने से सही व्यक्ति तक मदद पहुँचाना बहुत ही आसान हो गया है और इस तरह के इनिशिएटिव से हम सभी को जुड़कर मदद के लिए जरूर आगे आना चहिये , 'दानपात्र' से लगातार अलग अलग प्रोफेशन से जुड़े लोग वालंटियर्स के रूप में जुड़ते जा रहे है इनमे कई तो उच्च पदों पर पदस्थ अधिकारी है।

बेकार कुछ नहीं है

बेकार कुछ नहीं है बस जरुरत है की हमें पता होना चहिये की बेकार सामान को किस तरह उपयोग में लाया जा सकता है जो लोग पुराने सामान को बेकार समझ कर फेंक दिया करते है उनके लिए 'दानपात्र' प्रेरणा है की किस तरह टेक्नोलॉजी का प्रयोग करके पुराने सामान को रीसायकल कर लाखों लोगो की मदद की जा सकती है उनकी जिंदगी को बेहतर बनाया जा सकता है

आप भी जुड़ सकते है 'दानपात्र' से

आप भी अपने उपयोग में न आ रहे पुराने सामान को डोनेट करके या फिर वालंटियर बनकर 'दानपात्र' से जुड़ सकते है इसके लिए आप 'दानपात्र' के हेल्पलाइन नंबर 6263362660,7828383066 पर संपर्क कर सकते है

'दानपात्र' टीम द्वारा हाल ही में दिवाली के उपलक्ष्य में मिशन 251k पूरा किया गया

दिवाली के उपलक्ष्य में एवं कोरोना महामारी से प्रभावित परिवारों तक मदद पहुँचाने के उद्देश्य से संस्था 'दानपात्र' के 5 हजार से ज्यादा वालंटियर्स द्वारा हाल ही में दिवाली के उपलक्ष्य में 1 ही दिन में इंदौर एवम इंदौर के बाहर के अलग अलग क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों तक कपड़े ,राशन ,खिलौने ,किताबें ,जूते एवं घर का अन्य सामान पहुंचाकर लगभग 2.5 लाख जरूरतमंद परिवारों की मदद की गयी जिसके लिए 'दानपात्र' का नाम एक्सक्लूसिव वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है इससे पहले भी संस्था के हजारों वालंटियर्स द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 1 ही दिन में 1.5 लाख जरूरतमंद परिवारों तक मदद पहुंचाई गई थी । हाल ही में टीम द्वारा 16 जनवरी को ठंड से परेशान हो रहे लगभग 1 लाख जरूरतमंद परिवारों तक कपड़े , राशन एवम अन्य जरूरत का सामान पहुंचाकर मदद की गई।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।